# अजीत कौर को साहित्य अकादमी की महत्तर सदस्यता

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर (मिसरदीप भाटिया): साहित्य अकादमी ने प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका अजीत कौर को अपने सर्वोत्तम सम्मान महत्तर सदस्यता के साथ सम्मानित किया है। यह सम्मान साहित्य अकादमी के प्रधान माधव कौशिक ने प्रदान किया। साहित्य अकादमी की उपप्रधान कुमुद शर्मा ने फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने प्रशंसा पत्र पढ़ा। अपने उद्घाटनी भाषण में माधव कौशिक ने कहा कि अजीत कौर ने अपने कार्यों के साथ एक मां जैसा रुतबा हासिल किया है और उन्होंने महिलाओं का रुतबा ऊंचा उठाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है।

इस अवसर पर अजीत कौर ने खुशी प्रकट करते हुए कहा कि उसके लिए यह अत्यंत खुशी का मौका है और वह बेहद सम्मानित महसूस कर रही है। उनकी लेखन की बेबाकी ने हम सभी को उत्साहित किया है। इसके साथ ही उन्होंने एक संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंजाबी सलाहकार बोर्ड के कन्वीनर रवेल सिंह ने की और वनीता व कुलबीर बडेसरों ने अपने विचार पेश किए।

**प्रसिद्ध लेखिका अजीत कौर को सम्मान प्रदान करते हुए साहित्य अकादमी के प्रधान माधव कौशिक तथा (दाएं) संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए डा. वनीता, डा. रवेल सिंह व कुलबीर बडेसरों।**

अजीत कौर एक उच्चकोटि की पंजाबी कहानी लेखिका, पत्रकार, अर्थशास्त्री, सभ्याचार प्रचारक, सामाजिक व पर्यावरण कार्यकर्ता है। 16 नवम्बर, 1934 में लाहौर में जन्मी अजीत कौर विभाजन के बाद दिल्ली आ गईं और यहीं पर उनकी शिक्षा हुई। उनकी वृतांतक शैली की स्पष्टता उनको शयादत हुसन मंटो, राजिन्द्र सिंह बेदी, इसमत चुगताई और कुलवंत सिंह विर्क जैसे प्रसिद्ध लेखकों के साथ जोड़ती है। उनकी कुछ चर्चित कहानियां हैं- गुलबानो, बुत शिकन महिक की मौत, फालतू महिला, मौत अली बाबे दी, न मारो व आपो-अपने जंगल आदि।

आपकी आत्मकथा 'खानाबदोश' आपके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का दिलचस्प संग्रह है। विभिन्न यूनिवर्सिटियों में उनके लेखन पर कई डाक्टरेट अध्ययन किये गए हैं और उनकी रचनाओं का बड़े स्तर पर अनुवाद भी किया गया है। 1987 में आप सार्क राइटर्स एंड लिटरेचर राऊंडेशन की संस्थापक चेयरपर्सन हैं, जो सार्क देश में पहली सभ्याचारक व साहित्यिक पहल है। आप को भारत सरकार द्वारा सन् 2006 में 'पदम श्री' व 1986 में खानाबदोश के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार के अलावा कई पुरस्कार व सम्मान प्रदान किए गए हैं।